समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2022–2023

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2022 सत्र – 31 मार्च,2023

जनवरी,2023 सत्र – 30 सितम्बर,2023

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (प्रथम वर्ष) में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मध्य पूर्व के देशों में समाज कार्य अभ्यास के विकास का पता लगाएं। 20

अथवा

NASW आचार संहिता क्या है? NASW आचार संहिता के उद्देश्य की व्याख्या करें 20

2) सामुदायिक कार्य को परिभाषित करें। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ बताएं कि सामुदायिक कार्य समाज कार्य के लिए कैसे प्रासंगिक है। 20

अथवा

सामान्यवादी अभ्यास की व्याख्या करें। कारण दीजिए कि यह भारत में क्यों प्रासंगिक है। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) मलेशिया के विशेष संदर्भ में दक्षिण पूर्व एशिया में समाज कार्य हस्तक्षेप के बारे में लिखिए। 10

ख) दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से समाज कार्य करने के क्या लाभ हैं? 10

ग) सामाजिक समूह कार्य को परिभाषित कीजिए। सामाजिक समूह कार्य के मूल्य क्या हैं? 10

घ) समाज कल्याण प्रशासन के महत्व की चर्चा अपने शब्दों में कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) 'उत्तर आधुनिक समाज' में समाज कार्य के बारे में संक्षेप में लिखिए। 5

ख) समाज कार्य शिक्षा में वैश्विक मानकों के विकास में चुनौतियों पर चर्चा करें 5

ग) वैयक्तिक कार्य को परिभाषित करें। समकालीन समाज में वैयक्तिक कार्य का महत्व क्या है? 5

घ) सामाजिक क्रिया के आवश्यक घटकों की सूची बनाइए। किसी एक को समझाइए। 5

ङ) प्रासंगिक उदाहरण के साथ सामाजिक न्याय की व्याख्या करें। 5

च) क्या अफ्रीका में समाज कार्य ने बेहतर समाज बनाने में योगदान दिया है? समझाइए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) समाज कल्याण और समाज कार्य के बीच कोई दो अंतर 4

ख) प्रशांत देशों में समाज कार्य अनुशासन की कोई दो सामान्य विशेषताएं 4

ग) समाज कार्य के मूल्य के रूप में मानवीय संबंधों का महत्व 4

घ) समाज कार्य के उद्देश्य 4

ङ) समूह कार्य के लाभ 4

च) मैत्रीपूर्ण आगंतुक 4

छ) समाज कल्याण प्रशासन की स्किडमोर परिभाषा 4

ज) समाज कार्य अनुसंधान 4

व्यावसायिक समाज कार्यः भारत परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) आप स्थानीय शासकों की पहलों में समाज कार्य के इतिहास की खोज कैसे करते हैं? । 20

अथवा

जैन धर्म में निहित समाज कार्य मूल्यों, आदर्शों और अवधारणाओं की चर्चा करें। 20

2) नीति निर्माण और विकास में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिकाओं को सूचीबद्ध करें। 20

अथवा

समाज के कल्याण के लिए गांधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) बाल कल्याण के क्षेत्र में राज्य की पहल की चर्चा कीजिए। 10

ख) हिंदू अवधारणाओं, विश्वासों और मूल्यों और व्यावसायिक सामाजिक कार्य व्यक्तियों के बीच आत्मीयता के मुख्य बिंदुओं की व्याख्या करें । 10

ग) गांधी के आदर्श समाज की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं? 10

घ) भारत में विभिन्न सामाजिक कार्य शिक्षण संस्थानों की स्थापना के विभिन्न चरणों का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) NAPSWI के उद्देश्य क्या हैं? 5

ख) भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन के इतिहास में सामाजिक क्रिया की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।5

ग) ईसाई जीवन के प्रमुख पहलुओं और इसकी सामाजिक शिक्षाओं की व्याख्या करें। 5

घ) मनुष्य के बारे में गांधी की धारणा और समाज के साथ उनके संबंधों पर चर्चा करें। 5

ङ) सत्याग्रह की विशिष्ट विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

च) गांधीवादी सामाजिक कार्य की सामान्य विशेषताओं की गणना करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

क) केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड 4

ख) राम कृष्ण मिशन 4

ग) बुद्ध और बौद्ध धर्म 4

घ) धर्मशास्त्र 4

ङ) सत्याग्रह 4

च) आज की दुनिया में गांधीजी की प्रासंगिकता 4

छ) राष्ट्रीय विकास परिषद 4

ज) करियर के रूप में समाज कार्य 4

समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में क्षेत्र कार्य अभ्यास में सहायक पर्यवेक्षण के महत्व पर चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य अभ्यास में आचार संहिता के महत्व की व्याख्या करें। 20

2) समाज कार्य अभ्यास के किन्हीं दो मॉडलों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

उपयुक्त उदाहरणों के साथ समाज कार्य अभ्यास में आवश्यक दक्षताओं की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) क्षेत्र कार्य अभ्यास से गुजर रहे समाज कार्य प्रशिक्षुओं को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? 10

ख) इग्नू मॉडल में फील्ड प्रैक्टिकम के घटकों की व्याख्या करें। 10

ग) देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सेवाओं की चर्चा करें। 10

घ) सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए संचार कौशल क्यों आवश्यक है? समझाइए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) सुधारात्मक समाज कार्य में अभ्यास के कौन से क्षेत्र हैं? 5

ख) पर्यवेक्षण की विभिन्न शैलियों की व्याख्या कीजिए। 5

ग) क्षेत्र कार्य के उद्देश्य क्या हैं? 5

घ) किसी संगठन में सेवाकालीन प्लेसमेंट के लिए दिशानिर्देशों की सूची बनाएं। 5

ङ) सामान्य तनाव कौन से हैं जो बर्नआउट की ओर ले जाते हैं? 5

च) बुनियादी अनुसंधान और मूल्यांकन के बीच अंतर करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) दाता एजेंसियों की भूमिका 4

ख) समाज कल्याण प्रशासन 4

ग) आजीवन सीखना 4

घ) अशाब्दिक संचार 4

ङ) ग्राहक सामाजिक कार्यकर्ता संबंध 4

च) स्कूल सामाजिक कार्यकर्ता 4

छ) व्यक्तिगत सम्मेलन 4

ज) एक पर्यवेक्षक के गुण 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समूहों की विशेषताओं की व्याख्या करें 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य के मॉडल पर चर्चा करें? 20

2) समूह नेतृत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध करें । 20

अथवा

आपदा पीड़ितों के साथ समूह कार्य पर प्रकाश डालिए । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) समूहों के प्रकारों की व्याख्या करें। 10

ख) समूह विकास में समूह कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा करें । 10

ग) सामाजिक समूह कार्य में रिकॉर्डिंग की व्याख्या करें । 10

घ) कैम्पिंग और भारतीय युवा संगठनों का वर्णन करें । 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) समूह कार्य और वैयक्तिक कार्य के बीच अंतर करें। 5

ख) समूह निर्माण की प्रक्रिया समझाएं। 5

ग) समूह कार्य के कौशल और तकनीक क्या हैं? 5

घ) शैक्षिक व्यवस्था में समूह कार्य पर चर्चा करें। 5

ङ) नेतृत्व के लक्षण सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? 5

च) तीन प्रमुख समूह कार्य सेटिंग्स को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) सामुदायिक सेटिंग में समूह कार्य 4

ख) पारस्परिक मॉडल 4

ग) उपचार और कार्य समूह 4

घ) समूह संघर्ष 4

ङ) स्वयं सहायता समूह 4

च) सामाजिक क्रिया समूह 4

छ) समूह विकास 4

ज) समूह प्रक्रियाएं

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) आप समुदाय को कैसे समझते हैं? 20

अथवा

भारत में सामुदायिक संगठन के इतिहास पर चर्चा करें। 20

2) सामाजिक क्रिया के विभिन्न मॉडलों और उनकी विशेषताओं का वर्णन करें। 20

अथवा

समाज कल्याण प्रशासन के कार्यक्षेत्र की व्याख्या कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) ग्रामीण, जनजातीय और शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिए। 10

ख) समाज कल्याण नीतियों और कार्यक्रमों पर चर्चा करें। 10

ग) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास के बीच अंतर करें। 10

घ) आप सामाजिक क्रिया के गांधीवादी मॉडल से क्या समझते हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) जनजातीय समुदायों के सामने आने वाले समसामयिक मुद्दों को सूचीबद्ध करें । 5

ख) सामुदायिक आयोजक की भूमिकाओं पर चर्चा करें । 5

ग) सामाजिक क्रिया के मॉडल का वर्णन करें । 5

घ) सामुदायिक आयोजक की भूमिकाओं पर चर्चा करें। 5

ङ) सामाजिक कार्य में रणनीतियाँ और रणनीतियाँ क्या हैं? 5

च) एक पेशे के रूप में समाज कल्याण प्रशासन पर विस्तार से चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) शहरीकरण 4

ख) मलिन बस्तियां 4

ग) स्थानीय विकास 4

घ) विधि के संबंध में धारणाएं 4

ङ) SWOC (ताकत, कमजोरी, अवसर और चुनौतियाँ) विश्लेषण 4

च) सामाजिक अंकेक्ष 4

छ) धन उगाहना 4

ज) क्षमता निर्माण 4